दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 143
मुरादाबाद
(Sunday)
13 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी से मिले मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, भारतीय हथियारों के खरीदने में दिखाई रुची

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। मलेशिया ने समावेशी वैश्विक विकास और तकनीकी अवसरों की समान पहुंच पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक की। मलयेशिया, प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर ब्रिक्स के साझेदार देश के रूप में इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भारत और मलयेशिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को लगातार विस्तार मिल रहा है। ब्रिक्स के मंच से समावेशी विकास पर मलयेशिया का जोर- मलयेशिया विदेश मंत्रालय के अनुसार, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन संगठन के सदस्य और साझेदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों एवं शासनाध्यक्षों को वैश्विक शासन, सतत विकास, आर्थिक सहयोग, व्यापार एवं निवेश, डिजिटल बदलाव और विकासशील देशों के सामने मौजूद वैश्विक चुनौतियों जैसे रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक उच्चस्तरीय मंच उपलब्ध कराता है। अनवर इब्राहिम सम्मेलन में 'समावेशी वैश्विक विकास के लिए भविष्य को आकार देने' विषय पर राष्ट्रीय वक्तव्य देंगे। मलयेशिया विकास संबंधी चुनौतियों से निपटने, आर्थिक अवसरों के विस्तार और तकनीकी प्रगति का लाभ सभी देशों तक अधिक समान रूप से पहुंचाने के लिए सहयोग मजबूत करने पर जोर देगा।भारतीय हथियार खरीदना चाहता है मलयेशिया- भारत सरकार के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मलयेशिया मेड इन हथियार खरीदना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई बैठक में प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने इस बात का जिक्र किया। हालांकि वो भारत से कौन-कौन से हथियार खरीदना चाहते हैं अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। केरल दौरे में व्यापार से शिक्षा तक सहयोग पर चर्चा- ब्रिक्स सम्मेलन के बाद मलयेशियाई प्रधानमंत्री केरल का दौरा भी करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्रतिभा एवं श्रम, शिक्षा तथा क्षेत्रीय संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। केरल में अनवर इब्राहिम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबूबकर अहमद से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में सामुदायिक विकास, शिक्षा के विस्तार और अंतरधार्मिक सौहार्द से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होने की उम्मीद है। 2024 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचे रिश्ते- भारत और मलयेशिया के संबंध आपसी सम्मान और साझा मूल्यों पर आधारित हैं। अगस्त 2024 में दोनों देशों के रिश्तों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी (CSP) के स्तर तक पहुंचाया गया। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मलयेशिया का दौरा किया था। उस दौरान दोनों नेताओं ने राजनीतिक संवाद, रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग, समुद्री सहयोग, व्यापार और निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और पर्यटन सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की थी।

संक्षिप्त समाचार

जनकपुरी महोत्सव 2026: 48 लाख की एलईडी से जगमगाएगा पूरा क्षेत्र, चौराहों पर लगाए जाएंगे मिनी मास्ट

आगरा के बाबरपुर क्षेत्र में पहली बार सजाई जा रही जनकपुरी में 48 लाख रुपये की लागत से एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। डिवाइडर पर स्ट्रीट लाइट और प्रमुख चौराहों पर मिनी मास्ट लगाए जाएंगे, ताकि महोत्सव के दौरान पूरा क्षेत्र रोशन रहे।

आगरा के बाबरपुर क्षेत्र में पहली बार सजाई जा रही जनकपुरी में पूरा क्षेत्र दूधिया रोशनी से जगमगाएगा। नगर निगम ने 48 लाख रुपये की लागत से एलईडी लाइटों को लगाने की योजना तैयार कर ली है। इसके लिए सर्वे का काम कराया जा चुका है। नगर निगम के चीफ इंजीनियर विद्युत यांत्रिक अजय कुमार राम ने बताया कि जनकपुरी महोत्सव कमेटी ने नगर निगम को स्ट्रीट लाइटों के लिए प्रस्ताव भेजे थे। इंजीनियरों से क्षेत्र का सर्वे कराया गया है। एलईडी लाइटें लगाने का काम जनकपुरी महोत्सव से पहले ही पूरा कर लिया जाएगा। इनमें चौराहों पर मिनी मास्ट लगाए जाने की योजना है ताकि भरपूर रोशनी रहे।इन जगहों पर लगाई जाएंगी लाइटेंबुलट अड्डा शोरूम वाली रोड पर रोशन विहार तक, महर्षि पुरम तिराहे से होली पब्लिक स्कूल तिराहे तक, भावना एस्टेट से लिंक रोड होते हुए बाबरपुर तक स्ट्रीट लाइट लगाएंगे। सामने, स्पंदन हॉस्पिटल के सामने, कैंसर अस्पताल चौराहा, गणपति आशियाना, डिवीजन चौकी के सामने, दुर्गेशपुरी चौराहा, गोविंदपुरी तिराहे पर, भावना एस्टेट पार्क, मंदिर के पास, केंद्रीय कार्यालय के सामने, सी टावर और मेन गेट के पास लगाई जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पुस्तक महोत्सव, सीएम योगी छात्रों से बोले- पाठ्यक्रम के साथ अच्छी किताबें खरीदें

लखनऊ विश्वविद्यालय में नौ दिवसीय गोमती पुस्तक महोत्सव शुरू हुआ, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। महोत्सव में 121 प्रकाशकों के करीब 250 स्टॉल लगाए गए हैं। हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और अवधी समेत कई भाषाओं की हजारों किताबें उपलब्ध हैं। प्रवेश निशुल्क है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा भी कड़ी रही।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर बच्चे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' जरूर पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह कहना अन्याय होगा कि युवा किताब नहीं पढ़ता, जरूरत किताबों को उन तक पहुंचाने की थी। ज्ञान को संकुचित दायरे में सीमित करने के दुष्परिणाम समाज और राष्ट्र, दोनों को भुगतने पड़ते हैं। 10 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया गया था। यूपी के नौजवान के सामने पहचान का संकट था और नागरिक अपनी पहचान बताने से बचते थे। सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश की तस्वीर बदली है। डिजिटल युग ने शहर और गांव की दूरी को कम किया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 5वें गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 का शुभारंभ करने के उपरांत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।सीएम ने वहां मौजूद बच्चों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' वितरित की। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को यह पुस्तक पढ़नी और आत्मसात करनी चाहिए। यह केवल स्कूली छात्रों के लिए नहीं, बल्कि हर युवा और नागरिकों के लिए भी उपयोगी है। जीवन में हर व्यक्ति को किसी न किसी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। कभी डिग्री के लिए, कभी सर्टिफिकेट कोर्स के लिए और कभी जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में। जब मुश्किल समय में व्यक्ति की हिम्मत जवाब देने लगती है, तब 'एग्जाम वॉरियर्स' उसका संबल और मार्गदर्शक बन सकती है। सीएम के हाथों पुस्तक पाने वाले बच्चों के चेहरे खिल उठे। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। युवा किताब नहीं पढ़ता, यह कहना अन्याय- मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कहना कि युवा पुस्तकों से दूर हो गया या सोशल मीडिया पर अपना समय खराब कर रहा, पूरी तरह सही नहीं। ऐसा कहना युवा के साथ अन्याय होगा। जरूरत पुस्तकों को उसके पास पहुंचाने की व्यवस्था करने की है। जब पहली बार युवराज मलिक ने लखनऊ में पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था, तब मैंने तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी से चर्चा की। इसे प्रोत्साहित करने की बात कही। इसके बाद लखनऊ में पुस्तक महोत्सव शुरू हुआ। इसका जब अच्छा परिणाम मिला तो मैंने गोरखपुर में भी पुस्तक महोत्सव आयोजित करने का सुझाव दिया। वहां लखनऊ से भी ज्यादा लोग पहुंचे और अधिक पुस्तकों की बिक्री हुई। इससे यह धारणा पूरी तरह गलत साबित हुई कि आज का युवा पुस्तक नहीं पढ़ता। पहले संकुचित दायरे में बांधने का प्रयास किया गया- मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी व्यक्ति की तरह ही समाज और राष्ट्र भी तब बीमार होता है, जब उसकी क्षमता समाप्त होने लगती है और वह अपनी विरासत से दूरी बनाने लगता है। पहले भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को संकुचित दायरे में बांधने का प्रयास किया गया, जिसके परिणाम सहने पड़े। उत्तर प्रदेश की धरती भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण केंद्र रही है। इसी प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित शुक्रतीर्थ में करीब 5 हजार वर्ष पहले श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा के वाचन की परंपरा जुड़ी है। पुस्तक मेला ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान का मंच- सीएम योगी ने कहा कि पुस्तक महोत्सव युवाओं, छात्रों, लेखकों और प्रकाशकों को मंच उपलब्ध कराता है। यहां युवा विभिन्न ज्ञानवर्धक, मनोरंजक और रोचक पुस्तकों को देख सकते हैं, उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगले 9 दिनों तक चलने वाले गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 में पुस्तकों के विमोचन के साथ लेखकों से संवाद और उनकी रचनात्मक यात्रा को समझने का अवसर भी मिलेगा।

पीए पर ईडी छापे के बाद रावत का बयानः 'कांग्रेस की सदस्यता मेरे खून में, पार्टी पर असर पड़ा तो छोड़ दूंगा पद'

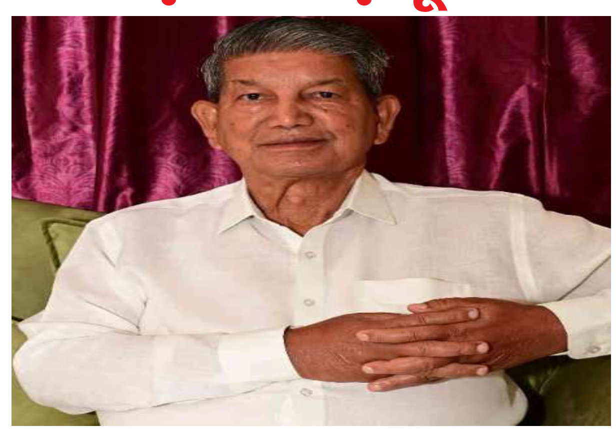

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के करीबी पीए के ठिकाने पर ईडी की कार्रवाई के बाद उनका बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनके किसी काम से पार्टी का संघर्ष कमज़ोर हो, साथ ही उन्होंने अपने सहयोगी पर लगे गड़बड़ी के आरोपों से इनकार किया।वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सदस्यता मेरे खून और हड्डियों में है। हरीश रावत जो कुछ भी है, उस सबका निर्माण करती है। वह तो मेरे साथ ही स्वर्ग में भी जाएगी। सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट में उन्होंन कहा कि यदि कल-परसों देहरादून में ईडी का जो पाखंडपूर्ण चकल्लस हुई है और मैंने यह कहा है कि यदि उससे कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के नैरेटिव पर कोई असर पड़ता है, तो पार्टी के जो पद मेरे पास हैं, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और एआईसीसी की वर्किंग कमेटी के सदस्य मैं उन पदों से त्यागपत्र देना चाहूंगा। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनके किसी कार्य से पार्टी का संघर्ष कमजोर हो। प्रवर्तन निदेशालय ने उनके ओएसडी के परिसरों पर छापा मारा था। यह छापा 2016 की उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़ी धन शोधन जांच के संबंध में था। रावत ने अपने सहयोगी द्वारा किसी भी गलत काम के आरोपों से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि टेलीविजन पर उनके निजी सहायक से नकदी और आभूषण जब्त होने की खबरें थीं। रावत ने स्वीकार किया कि जीना उनके ओएसडी रहे हैं। उन्होंने पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने जीना को एक विनम्र और मेहनती व्यक्ति बताया। रावत ने कहा कि यदि ग्राम सेवकों की भर्ती में ओएमआर शीट से छेड़छाड़ हुई है, तो उन्हें शर्म आएगी। हालांकि, उन्हें इस आरोप पर विश्वास नहीं है। उन्होंने उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में बड़ा दांव लगने की बात कही। कांग्रेस पार्टी और उसके कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ रहे हैं। राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम से शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। रावत ने बताया कि वह कोई सरकारी पद नहीं संभाल रहे हैं, इसलिए वहां से त्यागपत्र देने का सवाल ही नहीं है। हालांकि, वह उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। साथ ही, वह राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कार्य समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य भी हैं। उन्होंने अत्यंत विनम्रता के साथ इन दोनों पदों से हटने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनकी वजह से पार्टी का संघर्ष किसी भी तरह से कमजोर हो। यूकेएसएसएससी और भर्ती प्रक्रिया पर विचार- उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के संबंध में, हरीश रावत ने कहा कि इसे राज्य के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया था। उन्होंने लोक सेवा आयोग को समय पर परीक्षा आयोजित करने के लिए मजबूर किया। उनके छोटे कार्यकाल के दौरान, शीर्ष पदों के लिए दो बार भर्तियां हुईं।

राजभर का अखिलेश पर तंज, बोले- इन्होंने ही आजम खां को फंसाया था, सपा के कारनामों को भूली नहीं जनता

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि 2027 में सपा को कई सीटों पर हार मिलेगी। राजभर ने आजम खां के मामले में अखिलेश को जिम्मेदार बताया और वक्फ संपत्तियों को लेकर विपक्ष पर आरोप लगाए। उन्होंने बाढ़ और मंत्रियों के बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी।प्रदेश सरकार के पंचायती राज कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शनिवार को समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल के कारनामों को जनता भूली नहीं है और इसका जवाब 2027 के चुनाव में देगी। केवल बयानबाजी से सरकार नहीं बनती। अंबेडकरनगर में एक सीट उपचुनाव में जा चुकी है और 2027 में जिले की शेष चारों सीटों पर भी सपा हार जाएगी।कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि गोरखपुर मंडल में सपा 29 सीटें हारेगी, जबकि वाराणसी में 28 में से केवल चार सीटों पर ही सपा की जीत होगी। उन्होंने कहा कि खाली बातें करने से सरकार नहीं बनती। एटा, इटावा, कन्नौज और मैनपुरी के लोग आज भी कहते हैं कि सपा सरकार में रात में लोगों की भैंसें खोल ले जाई जाती थीं और शाम छह बजे के बाद लूट की घटनाओं का डर रहता था। उन्होंने दावा किया कि एक ब्राह्मण परिवार तक अपनी संपत्ति बेचने को मजबूर हो गया था। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद पर अखिलेश यादव के सरकार से बाहर निकलने संबंधी तंज पर राजभर ने कहा कि सरकार ने कानूनी कार्रवाई की और तीन आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया। सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को पहले यह देखना चाहिए कि 80 प्रतिशत घटनाएं उन्हीं के लोगों द्वारा की जा रही हैं। पीडीए की बैठकों में दलितों को बैठने तक की जगह नहीं मिलती। सरकार कार्रवाई करे तो सरकार दोषी और कार्रवाई न करे तो भी सवाल उठाए जाते हैं। आजम खां के मामले में अखिलेश को बताया जिम्मेदार- आजम खां के मुद्दे पर राजभर ने कहा कि उन्हें फंसाने वाले अखिलेश यादव हैं। जब सरकारी जमीन और धन से कॉलेज बनाया जा रहा था तो जमीन का हस्तांतरण क्यों नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस सरकारों के समय वक्फ की करोड़ों रुपये की जमीनें हजारों रुपये में लीज पर दी गईं। इन जमीनों पर मॉल और होटल बनाए गए तथा मोटा किराया वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जमीनें बेची नहीं गईं। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर भी उन्होंने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। बयान और सीतापुर में राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु के रोने के सवाल पर राजभर ने कहा कि मंत्री हैं, उन्हें लगा होगा तो उन्होंने कहा होगा।

संपादकीय Editorial

Expensive sugar, why imports?

India is the world's second-largest producer, exporter, and consumer of sugar, surpassed only by Brazil. In a good year and a good harvest, India exports an average of 7 million tons of sugar, but exports are made only after ensuring domestic consumption of 28-28.5 million tons. This year, despite various circumstances, over 4.1 million tons of sugar is in "excess storage." Yet, on Thursday, August 20th, the government granted permission to import 1 million tons of raw sugar. This sugar will, of course, be duty-free. This import situation has arisen after 10 years. The Modi government has imposed a ban on the export of all types of sugar until September 30, 2026. In fact, when major sugar mill traders and association officials met with Prime Minister Modi and Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan in May, they claimed that production of 34.35 million tons of sugar was possible this year, and therefore, exports should be opened. The government trusted their data and opened up exports, but when the reality began to emerge, production stagnated at 27.9 million tons, while national sugar consumption is estimated at 28-28.5 million tons. As a result, sugar, which was selling for around 45 rupees per kg on July 21st, jumped to 50 rupees on July 31st, and reached 65 rupees on Friday, August 21st. Sugar became 20 rupees more expensive in just one month…! Sensing the situation, large traders, wholesalers, and bulk industrial consumers began hoarding sugar even before July, hoping to profit by selling it at higher prices during the festive season. In August, many sugar mills stopped sales altogether, joining the ranks of profiteering and black marketing. Now, Dussehra is on October 20th and Diwali on November 8th. Both are national festivals of India, but the sweetness of sugar has already turned bitter. Ethanol is being portrayed as a "villain," which is completely false. However, we are not in favor of the E-20 policy because the Indian government has failed to provide transparent answers. E-20 is facing strong opposition in the country. Between November 2025 and July 2026, 810.67 crore liters of ethanol were supplied to oil companies. Of this, 259.24 crore liters, or 32 percent, was produced from sugarcane, while the remaining 68 percent was made from corn, molasses, Food Corporation of India rice, and broken or rotten grains. Initially, 3.4 million tons of sugar was intended for ethanol production, but due to low production, only 3 million tons were provided for ethanol production. Despite this, sugar was available in reserves. So the question is: why is sugar being imported? Why is sugar becoming more expensive in the retail market? Does the government have no control over hoarders, profiteers, middlemen, and dominant mills, as these "black marketers" keep emerging again and again? The poor farmer is missing out in this game. The Indian government itself admits that the average farmer's income is less than 10,000 rupees per month. So, who pocketed the profits from high sugar? Obviously, hoarders and brokers kept getting richer. In reality, we neither consider sugar shortages nor inflation a food crisis, nor can it lead to national anarchy. However, opposition leaders like Mallikarjun Kharge and Akhilesh Yadav will certainly play politics. However, experts believe that the sugarcane crop in Maharashtra, Karnataka, and Gujarat was affected by excessive rainfall in September and October last year. As a result, production declined, and storage fell to a nine-year low. This year, too, June saw very little rainfall, especially in Maharashtra and Karnataka. The monsoon was also unbalanced. It's clear that sugarcane fields and sugar production will certainly be affected even in 2026-27. It's estimated that sugar production could decline by 3.3 million tons.

The Democracy of Donations - Your Pocket, Our Virtue

Gujri Guru, the great pioneer of the donation tradition, tells newcomers, "Asking for donations is a great art. Whether you recognize them or not, as soon as you arrive, lower your eyes and offer such a Bhudani Namaskar that all the other person's senses are preoccupied with recognizing you. The second important thing is that while you are speaking, the people accompanying you should keep their faces expressionless, like side characters in rural dramas. ...And most importantly, if the person leading the donation has a sharp eye for bluffing, the money will spring from the other person's pocket, and they will feel that they have made a significant contribution to the nation's welfare and that by accepting this donation, you have done them a favor."

These days, donations are in the news. "Donations" is a beautiful word, by the way. One donation exists in the sky, and the other on the ground. The heavenly donation has the coolness of moonlight, and the earthly donation has the warmth of money. The heavenly donation does not ask for anything from anyone. He quietly leaves, turns on his light, and leaves. Poets write poems after seeing him, and children eat milk and rice after seeing him. But the land donor is very hardworking. He arrives at all times, season and season. Sometimes with a slip, sometimes with a receipt, sometimes with a smile, and sometimes with such intimacy that a person begins to feel guilty before even reaching for his pocket. The person asking for donations ceases to be a human being, but becomes an institution. As soon as he gets a receipt, his voice exudes the authority of the Constitution and his face reflects the confidence of a Panchayat. He looks at you as if you have no money, but have an unfulfilled social duty. Every city, every town, even every village has some "donation warriors." The number of "donation warriors" depends on the population of your area.

The art of soliciting donations—although soliciting donations is an art. Experts say that the most important thing in the art of soliciting donations is to appear as if the person in front of you is not giving, but has been blessed to give. And you're saying, "Your support will elevate this noble cause to new heights."

Whenever donations are discussed, I remember Gujri Guru, the legendary "Chanda Veer" of my village, Motia. A pioneer in the art of fundraising. In his seven decades of active life, there's hardly a cause he hasn't raised funds for.

A few days ago, when the buzz around donations was all the rage, I asked him over the phone what qualities a good fundraiser should possess. Gujri Guru was delighted by the question, and just like one phrase seems to follow another in TV news these days, he began.

Gujri Guru said, "Soliciting donations is a great art. Whether you recognize me or not, as soon as you arrive, lower your eyes and offer such a Bhudani Namaskar that the other person's senses are engaged in recognizing you." After explaining the first principle of the art of soliciting donations, Gujri Guru took a deep breath and then began, "The second important thing is that when you are speaking, the people accompanying you should keep their faces expressionless, like the characters playing side roles in village plays."

As soon as I learned the second principle, I understood why, in the tradition of Chanda Veer, Gujri Guru's name is revered in my village. But neither my curiosity had subsided, nor had Gujri Guru's words. He began again, "And the most important thing is that if the person leading the solicitation has the sharp eye to spot a bluff in a game of flush, the money will spring out of the other person's pocket, and he will feel that he has made a significant contribution to the nation's welfare, and that by accepting this contribution from him, you have done him a favor."

These insights opened my eyes to knowledge. I know that Gujri Guru's personality stands on the border of literacy and illiteracy, but the book of life has made him a guru for many extracurricular programs.

One of them is the art of soliciting donations. Actually, the tradition of soliciting donations is very old in our country.

If there was no money for a public work, people would say, "Brother, please contribute something." In this new era, the language has changed a bit: "This historic event is not possible without your support."

Gujri Guru has a different opinion on this matter: "Not everyone can collect donations. The most important thing is the art of disclosing the amount. Ask so little that the other person asks for more. This is the true success. Accomplished donors never disclose the amount. They gently remind the other person of their social standing, as if this work is sustained only by the support of people like you. Hearing such statements, people start looking at their stature, not their pockets, and they donate according to their stature." A true artist is one who asks for two thousand and gets a receipt for five thousand, and before leaving, assures the donor that he didn't just give five thousand, but saved the society's honor. The other person understands that the event is going to be historic, and his money will be recorded in history."

The most important thing about donations is that they never call themselves donations. They are cooperation, contribution, dedication, participation, public involvement. The money is the same, but its names keep changing. But Gujri Guru also advises that donations have their own morality: "Tell whoever you take donations from that it is for your event."

This is our country's most successful economic system. No one fails in it. There's a powerful formula for this: "It doesn't matter, do as much as I can." This "do as much as I can" is a very mysterious phrase.

It holds potential, from five rupees to five lakh rupees. There was a time when people collecting donations brought receipt books. Now they have mobile phones and say, "Scan the QR code."

The era of digital devotion - devotion has now gone digital. Instead of a receipt, a message appears, "Your transaction was successful." The donor realizes for the first time that they, too, have succeeded. Another major achievement of donations is that it has strengthened social ties. The person in your neighborhood who hasn't said hello to you in a year finds their way to your house during donation season. "Don't you recognize me?"

You recognize him. "Hey, you!" He smiles. You smile back. Then he pulls out the QR code on his mobile. Your devotion is scanned. Your smile dims a little. His smile widens a little. This is where society operates.

Donations have taught us another thing: to make a cause great, it's necessary to maximize its expenditure. For a large event, it's five lakh rupees. For a historical event, it's ten lakh rupees. And if the event is truly historic, asking for an account of the expenditure could be considered an interference in history. So, don't ask for an account, trust. Donations run on trust, and where there's trust, the account automatically becomes smaller. Donations are among those institutions in our society whose usefulness is never questioned, because those who raise questions can be asked for a donation next time. However, those who collect donations also have their own politics. Whose house should be visited first, how much money can be asked from whom, who has an old account, and who might need help in the future? Calculating all these matters is crucial to the success of the donation.

Donations have another benefit: they identify local leadership. The person who donates the most gets a seat at the front of the stage. The one who gives a little less gets a seat at the back. The one who doesn't give anything stands with the crowd at the event.

This system can be called a democracy, so donations are not just a means of funding an event, but also an important pretext for social life. There is a tacit agreement between the donor and the recipient. The donor knows that the money won't be entirely used for the purpose for which it was collected. The recipient knows that the donor knows this. Yet, neither makes this knowledge public. This is civilization.

In my village, this is called tradition. Gujri Guru, a shining star of this tradition, also teaches new donors: "A separate account must be created for contingencies and it must be reiterated at various places that every penny is being accounted for. There should be no need to consult the accounts."

And those who have mastered this calculation are successful artists of the art of donation. Gujri Guru reminds us that asking for donations isn't just about asking for money. This is the art of awakening the hidden guilt, social prestige and show-off within a person simultaneously, "The day you return after collecting donation from a miser and he thanks you, understand that you have learnt to ask for donation and the day the same miser changes his path after seeing you from a distance, understand that you have mastered this art.

With the increasing involvement of AI in childrearing, are we surrendering our innate wisdom to machines?

Smart cameras, baby monitors, and AI-based devices are proving helpful for parents in childcare. They record their child's sleep, wakefulness, and activities. But this also raises questions about children's privacy and parents' own understanding. Is technology increasing children's safety or gradually making parents dependent on machines to understand their child? From the moment a child is born, parents become extremely concerned about their child's safety. Today, technology has opened up many new avenues to alleviate this concern. Smart baby monitors are a prime example. Through cameras, parents can monitor their child remotely, and AI can analyze their child's sleep, wakefulness, and tossing and turning. This feature seems extremely useful at first glance, but it also poses a significant question. Is technology merely a helpful tool in childrearing, or is it gradually replacing parents' own understanding and judgment? Today, as the baby tech industry rapidly expands, this question is becoming increasingly important for Indian families. Are smart baby monitors truly making parents' lives easier? The biggest advantage of smart baby monitors is that parents can constantly monitor their baby. The camera records the baby's movements, and machine learning technology analyzes their sleep and wake patterns. This information is displayed in a report on the app the next day. Data on when the baby slept, how many times they woke, how long they slept, and how their sleep was are all displayed. This can help parents understand their baby's daily routine. This feature can be especially useful for families where parents work or cannot be with their child constantly to monitor them. The problem begins when convenience gradually becomes a necessity. If camera reports and AI information become essential for every little activity, the question remains as to how much parents will be able to trust their intuition.

चीनी की जमाखोरी पर केंद्र सरकार का शिकंजा, डीलरों के लिए स्टोरेज सीमा की आधी; हर शुक्रवार देना होगा हिसाब

चीनी की बढ़ती मांग : त्योहारों से पहले मिठाई कारोबारियों की चिंता, पर्याप्त सप्लाई की मांग

त्योहारी सीजन में चीनी की बढ़ती मांग ने मिठाई कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। कारोबारियों ने त्योहारों से पहले पर्याप्त चीनी आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।चीनी की कीमतों में हुई तेज वृद्धि और बाजार में कृत्रिम किल्लत की आशंका के बीच व्यापारियों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने चीनी मिलों से पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा सरकार से पारदर्शी निगरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की है। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दीपावली के त्योहारी सीजन के दौरान अगस्त से नवंबर तक चीनी की बढ़ने वाली मांग को देखते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मिठाई और कन्फेक्शनरी कारोबारियों ने बाजार पर निगाहें तेज कर दी हैं। इसके अलावा त्योहारी सीजन की मांग को पूरा करने के लिए चीनी मिलों को 15 अक्टूबर से नया पेराई सत्र शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। 15 अक्टूबर से नया पेराई सत्र शुरू- जानकारों के अनुसार घरेलू आपूर्ति मजबूत करने और कीमतों पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार ने करीब एक दशक बाद 10 लाख मीट्रिक टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। सरकारी टीमें चीनी मिलों में उपलब्ध स्टॉक का भौतिक

सत्यापन भी कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर अमरोहा जिले की तीनों चीनी मिलों को अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में चालू करने की तैयारी है। क्या कहते है सरकारी आंकड़े- सरकारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई में चीनी का औसत भाव 48.18 रुपये प्रति किलोग्राम था, जो अगस्त में बढ़कर 55.70 रुपये या इससे अधिक प्रति किलोग्राम हो गया। हालांकि हाल के दिनों में कीमतों में मामूली नरमी आई है, लेकिन दरें दो महीने पहले की तुलना में करीब 20 प्रतिशत ऊंची बनी हुई हैं। क्या कहते है कारोबारी - पश्चिमी उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जहां चीनी उद्योग, गन्ना किसान, थोक व्यापारी और मिठाई कारोबार एक-दूसरे से जुड़े हैं। हाल के महीनों में चीनी की कीमतों में हुई वृद्धि का असर पूरे आपूर्ति तंत्र पर पड़ा है। सितंबर का चीनी कोटा अगस्त की तुलना में कम मिलने से व्यापारियों की चिंता बढ़ी है। अमरोहा जिले के गजरौला औद्योगिक क्षेत्र स्थित शंभु स्वीट्स एंड कन्फेक्शनरी के स्वामी एवं युवा व्यापारी नेता ईशान अग्रवाल ने चीनी मिलों से उचित दरों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से मिलवार उत्पादन एवं बिक्री के आंकड़ों का भौतिक सत्यापन कराने की भी अपील की है। अग्रवाल ने कहा कि सरकार को केवल त्योहारी सीजन में निगरानी करने के बजाय पूरे वर्ष चीनी मिलों के उत्पादन, स्टॉक और बिक्री के मिलवार आंकड़ों की समीक्षा करनी चाहिए, ताकि जमाखोरी पर समय रहते रोक लगाई जा सके।

पर्याप्त उत्पादन, पारदर्शी वितरण और उचित मूल्य नीति से ही त्योहारों के दौरान आम उपभोक्ताओं और मिठाई कारोबार को महंगाई के अतिरिक्त बोझ से बचाया जा सकता है। जमाखोरी और सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए 15 सितंबर से 30 नवंबर तक डीलरों की स्टॉक सीमा 4,000 क्विंटल से घटाकर 2,000 क्विंटल कर दी गई है। केंद्र सरकार ने चीनी की जमाखोरी रोकने के लिए डीलरों और स्टाकिस्टों के लिए अधिकतम भंडारण सीमा आधी कर दी है, अब कोई डीलर 2000 क्विंटल से ज्यादा चीनी नहीं रख सकेगा।डीलरों के लिए चीनी भंडारण सीमा 2000 क्विंटल तय की गई। नई व्यवस्था 15 सितंबर से लागू, जमाखोरी पर शिकंजा। डीलरों को हर शुक्रवार चीनी स्टाक का हिसाब देना होगा।बाजार में चीनी की जमाखोरी और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर अब शिकंजा कसने की तैयारी है। केंद्र सरकार ने चीनी के डीलरों और स्टाकिस्टों के लिए अधिकतम भंडारण सीमा आधी कर दी है। अब कोई डीलर 2000 क्विंटल से ज्यादा चीनी का स्टाक नहीं रख सकेगा। नई व्यवस्था 15 सितंबर से लागू होगी। इसके साथ ही डीलरों को प्रत्येक शुक्रवार अपने पास मौजूद चीनी का पूरा हिसाब सरकार को देना होगा। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने चीनी के स्टाक पर निगरानी बढ़ाते हुए सभी डीलरों के लिए पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया है।डीलरों को पोर्टल पर उपलब्ध चीनी के स्टाक की घोषणा हर शुक्रवार करनी होगी। इससे बाजार में उपलब्ध चीनी की स्थिति पर नियमित नजर रखी जा सकेगी और जरूरत से ज्यादा स्टाक रखने वालों की पहचान भी आसानी से होगी।आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

सरकारी खाते में रखी चीनी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित दर दुकानों के लिए राज्य सरकार द्वारा नामित डीलरों या अधिकृत व्यक्तियों के स्टाक पर यह सीमा लागू नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान निर्धारित सीमा से अधिक स्टाक, चीनी रोककर रखने, सट्टेबाजी या कृत्रिम अभाव पैदा करने का मामला मिलने पर संबंधित डीलर, चीनी मिल या बड़े उपभोक्ता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी। बड़े खरीदारों पर भी नजर- मिठाई विक्रेता, शीतल पेय निर्माता, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और अन्य संस्थागत खरीदार भी निगरानी के दायरे में रहेंगे। जिनकी पिछले एक वर्ष में औसत मासिक खपत 10 मीट्रिक टन या उससे अधिक है, वे उत्पादन या इस्तेमाल के लिए 15 दिन से अधिक का चीनी स्टाक नहीं रख सकेंगे। चीनी मिलों को ऐसे बड़े उपभोक्ताओं को बेची गई चीनी की मात्रा का सत्यापन भी करना होगा।

मुरादाबाद में स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोप: अपर नगर आयुक्त और अध्यापिका समेत चार संक्रमित, अब तक 36 केस और दो की मौत

मुरादाबाद में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़ रहे हैं, जिसमें अपर नगर आयुक्त और उनके परिवार के दो सदस्य, साथ ही एक अध्यापिका भी संक्रमित पाए गए हैं। जिले में अब तक कुल 36 स्वाइन फ्लू मरीज हो चुके हैं, जिनमें दो लोगों की मौत भी शामिल है, और जिला अस्पताल में बुखार के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

मुरादाबाद में स्वाइन फ्लू संक्रमितों की संख्या में वृद्धि- अपर नगर आयुक्त और अध्यापिका समेत चार संक्रमित- जिले में अब तक 36 मामले, दो लोगों की मौतजिले में स्वाइन फ्लू संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। अपर नगर आयुक्त और उनके परिवार के दो सदस्यों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। तीनों ही होम आइसोलेट हैं। वहीं, छजलैट के कोठी खिदमतपुर की अध्यापिका भी संक्रमित हैं। उन्हें पांच दिन से बुखार-खांसी की समस्या हो रही थी।पांच दिन से आ रहा था बुखार-खांसी, प्राइवेट लैब में कराई जांच- प्राइवेट चिकित्सक से परीक्षण कराने के बाद जांच कराने पर स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। अध्यापिका को स्वजन ने जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। वहीं, जिला अस्पताल में 10 एंटीजन और एक आरटीपीसीआर जांच कराई गई। सभी की रिपोर्ट निगेटिव रही।अस्पताल की ओपीडी में बुखार के मरीज बढ़े- जिला अस्पताल की ओपीडी में भी बुखार के मरीजों की संख्या अधिक है। शुक्रवार को कुल 2216 की ओपीडी में 317 बुखार के मरीजों की जांच कराई गई। जिसमें 10 संदिग्ध की जांच हुई। जिले में अब तक स्वाइन फ्लू संक्रमित 36 हो चुके हैं। जिसमें संक्रमण की वजह से प्रथमा बैंक के पूर्व प्रबंधक और हिमगिरी कॉलोनी के बुजुर्ग की मौत हो चुकी है।बुखार-खांसी होने पर कराई थी जांच जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया कि स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि के बाद उनके अध्यापिका को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बुखार-खांसी होने पर जांच कराई गई थी।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले EVM और VVPAT की विश्वसनीयता जांच, बेंगलुरु के इंजीनियर करेंगे पड़ताल

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत मुरादाबाद में 17 सितंबर से ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) शुरू होगी। बेंगलुरु के इंजीनियरों द्वारा की जाने वाली इस जांच में मशीनों की कार्यशीलता और तकनीकी स्थिति परखी जाएगी, जिसकी निगरानी जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय करेगा। मुरादाबाद में 17 सितंबर से ईवीएम-वीवीपैट की एफएलसी शुरू। बेंगलुरु के तकनीकी इंजीनियर करेंगे मशीनों की जांच। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी प्रक्रिया का अवलोकन करेंगे। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के बीच जिले में ईवीएम और वीवीपैट की विश्वसनीयता परखी जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) 17 सितंबर से शुरू होगी। इस दौरान मशीनों की कार्यशीलता से लेकर तकनीकी स्थिति तक का निर्धारित मानकों के अनुसार परीक्षण किया जाएगा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने बताया कि एफएलसी के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर में बने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस संख्या-2 को केंद्र बनाया गया है। जांच का जिम्मा वीवीपैट, बेंगलुरु के तकनीकी इंजीनियरों का होगा। पूरी प्रक्रिया जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की निगरानी में संपन्न कराई जाएगी। बेंगलुरु के इंजीनियर करेंगे मशीनों की पड़ताल-डीएम ने बताया कि जिले में उपलब्ध 3972 कंट्रोल यूनिट, 3972 बैलेट यूनिट और 3972 वीवीपैट की एक-एक करके प्रथम स्तरीय जांच होगी। एफएलसी के दौरान यह देखा जाएगा कि मशीनें निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप काम कर रही हैं या नहीं। जांच में सामने आने वाली तकनीकी स्थिति को निर्धारित प्रक्रिया के तहत दर्ज किया जाएगा। निर्वाचन अधिकारियों की निगरानी में चलेगा अधिकारी कार्यालय के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय और भारत निर्वाचन आयोग के स्तर से भी की जाएगी। प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिला मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यीय राजनीतिक दलों को अपने प्रतिनिधि अधिकृत कर एफएलसी का अवलोकन करने के लिए सूचित किया गया है। इससे चुनाव से पहले ईवीएम की तकनीकी जांच पूरी तरह निगरानी के दायरे में रहेगी। प्रथम स्तरीय जांच के लिए तेलंगाना के एक आईएएस अफसर को नोडल बनाया गया है।

अमरोहा में युवक की हत्या: शरीर पर कई जगह चोट के निशान, एक दिन पहले गायब था किसान, नलकूप के पास मिला शव

आदमपुर के ओगारपुर जंगल में किसान जोगेंद्र (28) का शव नलकूप के पास मिला। शरीर और चेहरे पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है।आदमपुर थाना क्षेत्र के ओगारपुर गांव के जंगल में युवक की हत्या कर दी गई। उसके शरीर पर चोट के निशान हैं। एक्सपर्ट की टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस जांच कर रही है। आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव कोकापुर की मड़ैया में जोगेंद्र का परिवार रहता है।शनिवार की सुबह जोगेंद्र (28) का शव गांव से करीब एक किलोमीटर दूर ओगारपुर के जंगल में भंडी वाले रास्ते पर स्थित एक नलकूप के पास मिला। परिजनों के अनुसार जोगेंद्र शुक्रवार शाम से ही अचानक घर से गायब था और काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग पाया था।शनिवार सुबह जब स्थानीय ग्रामीणों ने नलकूप के पास शव देखा तो पुलिस और परिजनों को सूचना दी। मृतक के शरीर और चेहरे पर चोट के कई गंभीर निशान पाए गए हैं। इससे प्रथमदृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल के साथ फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची।टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। जोगेंद्र पेशे से किसान था। उसकी शादी तीन साल पहले हुई थी और वह अपने पीछे पत्नी व एक मासूम बेटे को छोड़ गया है। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजने की तैयारी कर रही है। सीओ पंकज कुमार त्यागी का कहना है कि जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

क्वीन ऑफ टियर्स से लेकर माय डेमन तक; मुरादाबाद के जेन-जी पर चला के-ड्रामा का जादू

मुरादाबाद मंडल के जेन-जी और अल्फा युवाओं में कोरियन ड्रामा (के-ड्रामा) का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। यह प्रभाव उनकी जीवनशैली, खानपान, फैशन और भाषा में भी स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है।मुरादाबाद, रामपुर और अमरोहा के युवाओं में कोरियन शोज का बढ़ा क्रेज, स्क्रीन से लाइफस्टाइल तक दिख रहा असडिजिटल क्रांति और ओटीटी के विस्तार ने मनोरंजन की पसंद बदल दी है। मुरादाबाद मंडल के शहरी और पाश इलाकों में जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच दक्षिण कोरियाई शोज यानी 'के-ड्रामा' का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। कभी के-पॉप तक सीमित दिखने वाली कोरियन संस्कृति अब शोज, खानपान, फैशन और भाषा के जरिये युवाओं की दिनचर्या का हिस्सा बन रही है। मुरादाबाद के सिविल लाइंस निवासी 'अनन्या' को क्वीन आफ टियर्स की कहानी में रिश्तों की जटिलता और भावनात्मक उतार-चढ़ाव पसंद आए। वहीं रामपुर के शौकत अली रोड निवासी 'रिद्धि' लवली रनर की टाइम-ट्रैवल और प्रेम कहानी को पसंद करती हैं।उनका कहना है कि इसकी कहानी केवल रोमांस तक सीमित नहीं रहती। अमरोहा के जोया रोड निवासी 'अर्णव' को इतेवोन क्लास में संघर्ष और अपने दम पर आगे बढ़ने की कहानी पसंद आई। मुरादाबाद के आशियाना निवासी 'काव्या' बिजनेस प्रपोजल की हल्की-फुल्की रोमांटिक कहानी और हास्य को पसंद करती हैं। रामपुर के सिविल लाइंस निवासी 'विवान' के मुताबिक माय डेमन में फैंटेसी, रोमांस और रहस्य का मेल युवाओं को बांधे रखता है। पारंपरिक धारावाहिकों की तुलना में 12 से 16 एपिसोड की कसी हुई पटकथा, मानसिक स्वास्थ्य, करियर संघर्ष, आधुनिक रिश्ते और टाइम ट्रैवल जैसे विषय युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। क्रैश लैंडिंग आन यू और गोबलिन जैसे लोकप्रिय शोज के बाद क्वीन आफ टियर्स, लवली रनर, माय डेमन और सक्सेसर जैसे शोज ने इस रुचि को और बढ़ाया है। हाल में चर्चा में रहा कोरियन लव साइन- के-ड्रामा देखने वाले युवा अब कोरियन भाषा के सामान्य शब्दों और इनके स्टाइल भी कापी कर रहे हैं। 'अन्न्योंघासेयो' (नमस्ते), 'सरांघे' (आई लव यू) और 'कंसाहाम्निदा' (धन्यवाद) जैसे शब्द सोशल मीडिया और दोस्तों की बातचीत में सुनाई देने लगे हैं। हाल में जंतर-मंतर पर धरने के दौरान कोरियन लव लाइन देश भर में चर्चा में रहा।स्क्रीन से लाइफस्टाइल तक असर- के-ड्रामा का असर युवाओं की पसंद पर ही नहीं, बल्कि उनकी जीवनशैली पर भी दिख रहा है। राम्योन, किम्ची, टोपोकी और कोरियन फ्राइड चिकन जैसे के-फूड को लेकर दिलचस्पी बढ़ी है। 'ग्लास स्किन' रूटीन, कोरियन स्किनकेयर और पेस्टल शेड्स वाले ओवरसाइज्ड कपड़ों का ट्रेंड भी युवाओं में लोकप्रिय हो रहा है। इंटरनेट मीडिया पर कोरियन कलाकारों के लुक, डायलाग और शोज के सीन रील्स का हिस्सा बन रहे हैं।

रामपुर में हाईवे पर भीषण टक्कर: वज्र वाहन चला रहे यूपी पुलिस के सिपाही की मौत; महिला कांस्टेबल गंभीर रूप घायल

रामपुर में धमोरा ओवरब्रिज के पास तेज रफ्तार वाहन ने पुलिस के वज्र वाहन में टक्कर मार दी। हादसे में सिपाही अशोक की मौत हो गई। हादसे में महिला कांस्टेबल आरती गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस फरार वाहन और चालक की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।रामपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार वाहन ने पुलिस के वज्र वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। शहजादनगर थाना क्षेत्र में धमोरा स्थित ओवरब्रिज के पास हुए हादसे में वज्र वाहन चला रहे सिपाही की मौके पर ही मौत जबकि साथ बैठी महिला कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिस वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों पुलिसकर्मी उसमें फंस गए। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे सिपाही अशोक और महिला कांस्टेबल आरती को बाहर निकाला।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

फर्जी अफसर व पत्रकार बनकर वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मत्स्य विभाग का अधिकारी और पत्रकार बताकर लोगों को डरा-धमकाकर अवैध वसूली करने वाले एक संगठित गिरोह का भोजीपुरा व देवरनिया पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन फरार साथियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। आरोपियों के पास से विभिन्न लोगों से ऑनलाइन माध्यम से ली गई रकम के स्क्रीनशॉट भी बरामद हुए हैं।

?दोबारा रकम लेने पहुंचा तो चढ़ा हत्थे- पुलिस के अनुसार, भोजीपुरा निवासी सलिम रजा ने थाने में तहरीर दी थी कि बीते दिनों उनके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉलर ने खुद को मत्स्य विभाग का अधिकारी बताते हुए जान से मारने और कानूनी कार्रवाई में फंसाने की धमकी देकर उनसे 70,000 ऐंठ लिए थे। इसके बाद आरोपी और रुपयों की मांग करने लगे। 11 सितंबर को जब आरोपी साजिद (निवासी घंघोरा पिपरिया, भोजीपुरा) दोबारा रकम वसूलने पहुंचा, तो उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया, जबकि उसके अन्य साथी भाग निकले।

देवरनियां क्षेत्र में भी की थी ठगी- पूछताछ में सामने आया कि इसी गिरोह ने देवरनियां क्षेत्र के ग्राम भूला भुलनिया निवासी प्यारे लाल को भी मत्स्य अधिकारी बनकर डराया-धमकाया और 13,000 वसूल लिए थे। इस मामले में देवरनियां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त मो. आजम (निवासी कर्मपुर चौधरी, इज्जतनगर) को देवरनियां रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे अपने गिरोह के अन्य साथियों-रिजवान खान, बसंत शर्मा (निवासी कासगंज) और अरविंद के साथ मिलकर मछली पालकों को निशाना बनाते थे। वे लोगों को गैर-कानूनी काम में फंसाने और जेल भिजवाने का खौफ दिखाकर नकदी व ऑनलाइन वसूली करते थे। आरोपियों ने अब तक 2 लाख से अधिक का अनुचित लाभ कमाने की बात कबूली है।

गिरफ्तार अभियुक्त मो. आजम का पुराना आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ नवाबगंज व किला थाने में दहेज उत्पीड़न, मारपीट, रंगदारी और आपराधिक धमकी समेत कई धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। इस गिरोह का पर्दाफाश करने में भोजीपुरा थाने के उपनिरीक्षक तनवेश कुमार, मुख्य आरक्षी अंकुर कुमार तथा देवरनियां थाने के उपनिरीक्षक शेखर खोखर, आरक्षी राजन व संदीप कुमार की टीम शामिल रही।

बरेली में लोजपा (रामविलास) का शक्ति प्रदर्शन: नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अनिकेत शर्मा का भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अनिकेत शर्मा 'लल्ला भैया' के दिल्ली से प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन कर उनका भव्य स्वागत किया। झुमका चौराहे से शुरू हुआ दर्जनों वाहनों का काफिला शहर के प्रमुख मार्गों-चौपुला, चौकी चौराहा, श्यामगंज, सैटेलाइट और यूनिवर्सिटी होते हुए स्टेडियम रोड स्थित खुश्लोक हॉस्पिटल पहुंचा, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ। अनिकेत शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के दिशा-निर्देशों पर आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर संगठन को विधानसभा से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। वहीं, महानगर अध्यक्ष सुधाकर सोनकर ने भरोसा जताया कि नए नेतृत्व में पार्टी जिले में तेजी से आगे बढ़ेगी। इस दौरान जिला प्रधान महासचिव सौरभ गुप्ता, कृष्णा प्रजापति, रविन्द्र शर्मा, विवेक शर्मा, वैभव पाराशरी, मानव राजपूत सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाथ नगरी के बाबूराम धर्मशाला में 14 सितंबर से सजेगा भव्य गणेश जन्मोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर मराठा बुलियन एसोसिएशन एवं श्री गणेश महोत्सव समिति द्वारा शिवाजी मार्ग स्थित बाबूराम धर्मशाला में गणपति बप्पा का जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा।

?प्रेसवार्ता में संस्थापक अध्यक्ष अनिल पाटिल ने बताया कि वर्ष 1996 में मराठी परिवारों द्वारा शुरू हुआ यह पूजन उत्सव आज पूरे बरेली का जन-उत्सव बन चुका है। भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी (14 सितंबर) पर शहरभर के मंदिरों और चौराहों पर पंडाल सजाकर विघ्नहर्ता का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान सौरभ अग्रवाल, गगन मेहरोत्रा, अरुण सिंह, सुभाष गुप्ता, विशाल मल्होत्रा, दयाशंकर वर्मा, पवन बाजपेई, अविनाश पाटिल, मंगेश कदम और नानासाहेब गाडे समेत समिति के कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

DIG अजय कुमार साहनी के निर्देशन में बदायूं SSP अंकिता शर्मा ने किया बड़ा खुलासा , 79 लाख नकद व सोना बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली, बदायूं। थाना सिविल लाइंस पुलिस ने कार से नकदी और सोने के जेवरात चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 79 लाख रुपये नकद, 101.680 ग्राम पीली धातु, मोबाइल, घटना में प्रयुक्त कार व प्लास बरामद किया। 10 सितंबर को शेख दिलावर हुसैन की कार नवादा दास डिग्री कॉलेज के पास बिरयानी खाने के लिए रुकी थी। चालक व कारीगर के जाने के बाद कार का पिछला शीशा टूटा मिला और अंदर रखी नकदी व जेवर गायब थे। जांच के बाद पुलिस ने मेरठ निवासी आरिफ अंसारी और वसीम अंसारी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने कर्ज के चलते पूर्व नियोजित तरीके से वारदात करना स्वीकार किया। आरिफ पीड़ित के यहां चालक था और उसने कर्मचारी को बहाने से साथ ले जाकर वसीम की मदद से माल चोरी कराया। घटना को सामान्य चोरी का रूप देने के लिए कार का शीशा तोड़ा गया। अधिकारियों की भूमिका- पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 के निर्देशन, अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन, बरेली के मार्गदर्शन, पुलिस उपमहानिरीक्षक, बरेली अजय कुमार साहनी के निर्देशन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी का शत-प्रतिशत माल बरामद किया। सराहनीय कार्रवाई पर एसएसपी बदायूं ने पुलिस टीम को 25 हजार के पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

शॉर्ट सर्किट से आइस क्रीम फैक्टरी के गोदाम में लगी आग

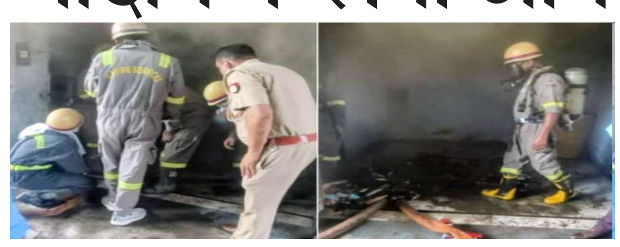

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। सीबीगंज में परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित वाडीलाल आइसक्रीम फैक्टरी के एक गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग से काफी सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग और फैक्टरी की टीम ने लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से 25 लाख रुपये का नुकसान होने की बात कही गई है। वाडीलाल इंडस्ट्रीज ने परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के रोड नंबर एक पर एक फैक्टरी में यह गोदाम किराए पर लिया हुआ था। इस गोदाम में आइसक्रीम के कोन आदि रखे जाते थे। कोन को सीलन से खराब होने से बचाने के लिए यहां फायर हिम्युनिटी मशीन लगी हुई थी। आग लगने का कारण इसी मशीन में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग से 25 लाख रुपये का नुकसान फैक्टरी के एचआर मैनेजर दिनेश सिंह ने बताया कि आग की घटना में करीब 25 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट ही माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक आग शनिवार सुबह करीब नौ बजे लगी। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी इस आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप धारण कर लिया। गोदाम से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। इससे आसपास की फैक्टरी में हड़कंप मच गया। इस दौरान फैक्टरी की अपनी फायर टीम ने पानी की बौछार कर आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने फैक्टरी की टीम के साथ मिलकर आग बुझाने का अभियान चलाया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह से बुझा दिया गया। इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

नव नियुक्त चौकी इंचार्ज अरुण वर्मा की तत्परता से एक घंटे में बरामद हुए दो मासूम बच्चे

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा/ मुरादाबाद। थाना मझोला क्षेत्र में शाम दो मासूम बच्चों के लापता होने की सूचना से परिजनों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही नव नियुक्त चौकी इंचार्ज अरुण वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस टीम को बच्चों की तलाश में लगाया। पुलिस की सक्रियता और चौकी इंचार्ज अरुण वर्मा की तत्परता का नतीजा रहा कि महज एक घंटे के भीतर दोनों मासूम बच्चों जियान (6 वर्ष) और अदनान (4 वर्ष) को सकुशल बरामद कर लिया गया। बरामदगी के बाद दोनों बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बताया गया कि चौकी इंचार्ज अरुण वर्मा ने आज ही चौकी का कार्यभार संभाला था। कार्यभार संभालने के दिन ही बच्चों के गुम होने की सूचना पर उन्होंने बिना समय गंवाए तत्काल कार्रवाई की और पुलिस टीम को सक्रिय कर दिया। कम समय में दोनों बच्चों की सकुशल बरामदगी पर परिजनों ने राहत की सांस ली और चौकी इंचार्ज अरुण वर्मा एवं पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। नव नियुक्त चौकी इंचार्ज की पहली ही कार्रवाई में त्वरित सफलता क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता का संदेश देती नजर आई।

श्याम लाल पाल बोले- भाजपा शासन में न कार्यकर्ताओं का सम्मान, न आम जनता की सुनवाई

भाजपा शासन में न कार्यकर्ताओं का सम्मान, न आम जनता की सुनवाई हो रही है। सरकार सविंधान के खिलाफ जा रही है। हर वर्ग परेशान है। यह बातें सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने आनेपुर के पास स्थित सांई गेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं से कहीं। कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार में न तो सत्ता पक्ष के अपने लोगों का सम्मान हो रहा है और न ही आम जनता की कोई सुनवाई हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की जनता अब इस कुशासन से तंग आ चुकी और बदलाव चाहती है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता समाजवादी पार्टी पर अपना पूर्ण विश्वास जताएगी और सपा पूर्ण बहुमत के साथ उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार बनाएगी। प्रदेश में युवाओं से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में एक के बाद एक कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। जब देश और प्रदेश का युवा अपने हक और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की मांग को लेकर सड़कों पर उतरा तो सरकार ने उनकी आवाज सुनने के बजाय उन पर लाठियां बरसाईं और उन्हें जेलों में डाल दिया।प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में जिस तरह से गुंडई और अराजकता का माहौल है, वह किसी से छिपा नहीं है। आरोप लगाया कि महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के मामले में आज उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी की नई कार्यकारिणी के गठन और घोषणा को प्रदेश अध्यक्ष ने इस विषय पर कुछ भी बोलने से परहेज किया और चुप्पी साध ली। इससे पहले श्यामलाल पाल के जनपद आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका फूल-मालाएं पहनाकर और ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया।

उफनाई किला नदी में युवक ने लगाई छलांग, तेज बहाव में हुआ ओझल

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। बाढ़ से उफनाई किला नदी में शनिवार दोपहर 27 वर्षीय राहुल राठौर डूब गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक राहुल कुछ देर नदी किनारे घूमने के बाद अचानक पानी में कूद गया। तेज बहाव में वह कुछ दूर तक दिखाई दिया, फिर गहरे पानी में ओझल हो गया। राहुल किला छावनी निवासी महेंद्र राठौर का बेटा था और अपने बड़े भाई सचिन के साथ मिठाई की दुकान पर काम करता था। सूचना पर पहुंची किला पुलिस ने गोताखोरों की मदद से नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। देर शाम तक राहुल का कोई सुराग नहीं लग सका।

तेज बहाव और बढ़े जलस्तर के कारण तलाश में दिक्कत का सामना रहा ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेल यात्रियों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल की मंडल रेल प्रबंधक सुश्री वीणा सिन्हा के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री रजत प्रताप सिंह के निर्देशन में उझानी रेलवे स्टेशन परिसर एवं प्लेटफार्म तथा समपार संख्या 286/ए पर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेल यात्रियों एवं आमजन को सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को यात्रा के दौरान ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ साथ न ले जाने, ट्रेन के अंदर धूम्रपान न करने तथा गाड़ी के पायदान एवं छत पर यात्रा न करने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, प्लेटफार्म बदलते समय सदैव फुट ओवर ब्रिज का प्रयोग करने तथा बंद समपार फाटक को अनधिकृत रूप से पार न करने की अपील की गई। अभियान के दौरान रेलवे ट्रैक एवं समपार फाटक पार करते समय हेडफोन का प्रयोग न करने, रेलवे ट्रैक के किनारे मवेशियों को न चराने तथा रेलवे ट्रैक और विद्युत पोल से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, रेलवे ट्रैक के आसपास पतंग न उड़ाने तथा किसी भी प्रकार की असावधानी से बचने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की गई कि वे स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रेल यात्रा के लिए जागरूक करें।

बरेली में बहगुल नदी उफनाई, रास्ता बंद होने से धरने पर बैठे ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। बहगुल नदी उफनाई है। रास्ते बंद हैं। सिंघई मुरावान गांव के ग्रामीण नदी के पास धरने पर बैठ गए हैं। उनका तर्क है नदी पार क्षेत्र के लोगों का रास्ता बंद हो गया है। इलाके में आवागमन की बड़ी समस्या है। पुल की सख्त जरूरत है। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उनकी समस्या और मांग को सुना जाए। ताकि एक बड़ी आबादी को राहत मिल सके। नदी के पास धरना जारी है और आसपास के गांवों के ग्रामीण इसमें शामिल हो रहे हैं। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के सिंघई मुरावान के ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने मजबूरन विरोध का रास्ता चुना है। स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से नदी के ऊपर पुल निर्माण की मांग उठाई है। सनद रहे कि इससे पहले भी बगहुल नदी का बहाव तेज होने के कारण आवागमन प्रभावित होने पर भी विरोध होता रहा है। ग्रामीणों मुताबिक यह स्थायी समस्या बन चुकी है। इसका हल सिर्फ पुल निर्माण से ही संभव है। प्रशासन को एक बड़ी आबादी की समस्या को देखते हुए संज्ञान लेना चाहिए।

सुदामा चरित्र के भावपूर्ण प्रसंग के साथ श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मॉडल टाउन स्थित श्री हरि मंदिर के 66वें विराट भक्ति वार्षिक महोत्सव के सातवें दिन श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम हुआ। नवग्रह एवं भागवत पूजन के उपरांत पठानकोट से पधारे कथावाचक श्री अतुल कृष्ण महाराज ने भगवान के 24 अवतारों और सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन किया। ?महाराज जी ने कृष्ण-सुदामा प्रसंग सुनाते हुए कहा कि बिना कहे मित्र की मनोदशा और आवश्यकता को समझकर सहयोग करना ही सच्ची मित्रता और महानता है। ?कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा, यजमान रजनी सेठ, राजेश अरोड़ा सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। महोत्सव के अगले क्रम में कल रात 8 बजे से जयपुर के श्री गिरिराज जी महाराज के सानिध्य में भव्य भजन संध्या आयोजित होगी।

राजदीप सिंह बने तहसील युवा अध्यक्ष

बिलारी। भारतीय किसान यूनियन भानु की जिला मुरादाबाद एवं बिलारी टीम की ओर से शुक्रवार को राजदीप सिंह को तहसील महासचिव पद से पदोन्नत करते हुए तहसील युवा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। पद की घोषणा के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने राजदीप सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। राजदीप सिंह ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। युवाओं को संगठन से जोड़कर आगे बढ़ाने के साथ ही किसान और मजदूर भाइयों के हितों के लिए मजबूती से आवाज उठाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी किसान या मजदूर के साथ अन्याय होता है अथवा उसका जायज हक मारा जाता है तो भारतीय किसान यूनियन भानु की पूरी टीम उसके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष दानिश पास, जिला अध्यक्ष नजरुल पास, जिला मुख्य महासचिव आमिल खान, जिला उपाध्यक्ष फैजान पहलवान, नगर अध्यक्ष यासीन अंसारी, नगर सचिव सुल्तान अंसारी, मंडल उपाध्यक्ष रईस फारुकी, तहसील अध्यक्ष अब्दुल कादिर, तहसील युवा अध्यक्ष राजदीप सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गणेश प्रतिमाएं लेने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यातायात पुलिस ने जारी किया रूट डायवर्शन प्लान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। गणेश चतुर्थी पर्व को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और विभिन्न क्षेत्रों से गणेश प्रतिमाएं लेने आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा देने के लिए यातायात पुलिस शिवपुरी द्वारा विशेष रूट डायवर्शन प्लान तैयार किया गया है। यह व्यवस्था 13 एवं 14 सितंबर को सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं सीएसपी सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा यह व्यवस्था लागू की गई है। यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक रणवीर यादव के अनुसार त्योहार के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए वाहनों के आवागमन के लिए निर्धारित मार्गों का पालन करना आवश्यक होगा। यातायात पुलिस द्वारा जारी प्लान के अनुसार धर्मवीर घाटी से फिजिकल रोड की ओर केवल दोपहिया वाहनों को प्रवेश की अनुमति रहेगी। वहीं जिले के विभिन्न क्षेत्रों से गणेश प्रतिमाएं लेने आने वाले श्रद्धालु दो बत्ती होते हुए परशुराम तिराहे से सभी प्रकार के वाहनों के साथ फिजिकल रोड पर प्रवेश कर सकेंगे। इसके अलावा डीजे वाहनों का फिजिकल रोड पर प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने गणेश प्रतिमा लेने आने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित रूट डायवर्शन प्लान का पालन करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें, ताकि त्योहार के दौरान शहर में यातायात सुगम एवं व्यवस्थित बना रहे।

जानी दुश्मन बने दो पड़ोसी, दोनों तरफ से चले लाठी-डंडे और रॉड; आठ घायल

हापुड़ जिले के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में रुपयों के लेनदेन को लेकर दो पड़ोसी परिवार आपस में भिड़ गए। इस घटना में युवती समेत आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी हापुड़ में भर्ती कराया, जहां से रोहित और राजन को मेरठ हायर सेंटर रेफर किया गया।बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव श्यामपुर जट्ट में शनिवार को रुपयों के लेनदेन को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे, लोहे की रॉड, सरिये और बलकटी चलने लगे। इसमें युवती समेत आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, गांव निवासी राजन का अपने पड़ोसी से पैसों के लेनदेन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। शनिवार सुबह इसी बात को लेकर गली में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जिसने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया। हमले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग हाथों में बलकटी, रॉड और सरिये लहराते व हमला करते दिख रहे हैं।संघर्ष में एक पक्ष से रोहित, उसका भाई अभिषेक और मोहित घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष से राजन, उसका भाई नवीन, रवि तथा काजल पुत्री प्रवीण और प्रियांशी घायल हुए हैं। घटना के बाद बाबूगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सीएचसी हापुड़ में भर्ती कराया। वहां रोहित और राजन की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए एएसपी विनीत भटनागर और एडीएम संदीप कुमार ने गांव पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा ने की कार्यशाला

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । भारतीय जनता पार्टी मंडल बिलारी की ओर से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यशाला लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर, बिलारी में आयोजित की गई। कार्यशाला में मंडल प्रभारी एवं जिला महामंत्री नवीन चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य और संगठनात्मक मजबूती पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा भारत यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान और रंगोली राष्ट्र (आंगन उत्सव) सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर ग्रामों और लाभार्थियों से संपर्क के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा, जिसके लिए विभिन्न तिथियों के अनुसार कार्ययोजना तैयार की गई है। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी में स्थान मिलने पर क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य गीता शर्मा को मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता ने मंडल बिलारी की ओर से पटका पहनाकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला में पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र प्रभारियों, शक्ति केंद्र संयोजकों और बूथ अध्यक्षों ने सहभागिता की। आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए कार्यकर्ताओं से अपने दायित्वों का निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता, जिला संयोजक श्रीकांत गुप्ता, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य गीता शर्मा, गीता कोहली, गीत चौधरी, मंडल महामंत्री मनोज ठाकुर, अभिलाष गौड़, राजीव सैनी, मेघपाल सिंह, प्रशान्त चौधरी, पंकज चौहान, अनिल कुमार, सनी सिंह, शरद गुप्ता, अखिल कुमार, नवनीत यादव, गायत्री कोहली, अर्चना वैश्य, प्रेमपाल पासी, इमरान पाशा, उमेश पाल, दिनेश चौधरी, मनोहर सिंह, शाहरुख खान, गिरीश बाबू, मनोज सक्सेना, परवेज अंसारी, एम.आर. हसन सहित अनेक कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिलाबदर आरोपी अकरम शाह गिरफ्तार, नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। थाना देहात पुलिस ने नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे जिलाबदर आरोपी अकरम शाह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक आदेश पर जिला जेल शिवपुरी भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 25 मई 2026 को लुधावली निवासी 35 वर्षीय महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत थाना देहात में दर्ज कराई थी। मामले में अपराध क्रमांक 184/26 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने अगले ही दिन नाबालिग को दस्तयाब कर विधिवत जांच की। विवेचना के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में धारा 64(1) बीएनएस, पॉक्सो एक्ट तथा एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं का इजाफा किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं सीएसपी सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक विकास यादव और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए 11 सितंबर 2026 को अकरम शाह पुत्र अनवर शाह, उम्र 26 वर्ष, निवासी सतनवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और इसी कारण उसे 18 अगस्त 2026 को जिलाबदर घोषित किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में निरीक्षक विकास यादव, उपनिरीक्षक सपना रावत, प्रधान आरक्षक सतीश चौधरी, प्रधान आरक्षक नाहर सिंह, प्रधान आरक्षक चालक रिषभ करारे, आरक्षक मिथुन कुशवाह, दिनेश किरार, मनोज गौड़ एवं महिला आरक्षक कीर्ति शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

17 दिसंबर को होगा गो सम्मान दिवस का तृतीय चरण, रायपुर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में बनी रणनीति

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रवीण शर्मा/ रायपुर। गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत 8, 9 एवं 10 सितंबर 2026 को श्री अग्रेसन धाम रायपुर में तीन दिवसीय गो सम्मान आह्वान कार्यशाला एवं गो-कथा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए गोभक्तों, माताओं एवं बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में मलूक पीठ महाराज के कृपापात्र सुरभि दास महाराज एवं भारत भाई महाराज पथमेड़ा राजस्थान के संतो ने उपस्थित गोभक्तों एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। गो-कथा के माध्यम से गो संरक्षण,गो सेवा तथा गो आधारित जीवन पद्धति के विषय में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान गो सेवा एवं संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में गोमाता के प्रति सम्मान और सेवा की भावना जागृत करने पर विशेष जोर दिया गया। गो आधारित प्राकृतिक जीवनशैली पर विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम में गव्यसिद्ध आचार्य निरंजन वर्मा ने गो संरक्षण,गो सेवा तथा गो आधारित स्वस्थ एवं स्वावलंबी समाज के निर्माण को लेकर विशेष व्याख्यान एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने गो आधारित प्राकृतिक जीवनशैली, स्वावलंबन तथा गोमाता के प्रति सम्मान एवं सेवा की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्यजन हुए शामिल तीन दिवसीय गो-कथा प्रशिक्षण शिविर में सामाजिक,धार्मिक एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इनमें अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त संजय अग्रवाल ,छत्तीसगढ़ जोन प्रभारी आदर्श वर्मा ,गायत्री परिवार से सोहम विश्वकर्मा,पूज्य रामबालक दास जी महाराज, क्षेत्रीय संगठन मंत्री मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ विश्व हिंदू परिष से रतन जी, छत्तीसगढ़ गोरक्षा प्रमुख विश्व हिंदू परिषद; पूज्य प्रकाश नारायण गिरी जी महाराज (नंद बाबा) गो सम्मान आह्वान अभियान, समाजसेवी बसंत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ महामंत्री पतंजलि राम शर्मा, योग आयोग राकेश दुबे , मलूक पीठ महाराज के कृपापात्र नरेंद्र गुप्ता , प्रदेश अध्यक्ष दास जी साहू , मुकुंद भाई सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। 17 दिसंबर के गो सम्मान दिवस के तृतीय चरण की तैयारियों पर चर्चा आयोजकों ने बताया कि कार्यशाला एवं प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज में गो संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, गो सेवा का संकल्प मजबूत करना तथा गो आधारित स्वस्थ, प्राकृतिक एवं स्वावलंबी जीवनशैली को बढ़ावा देना है। शिविर के दौरान 17 दिसंबर को प्रस्तावित गो सम्मान दिवस के तृतीय चरण की तैयारियों को लेकर आगामी कार्यक्रमों एवं अभियान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। आगे बढ़ाने, अधिक से अधिक गोभक्तों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़ने तथा विभिन्न जिलों में जनजागरण गतिविधियों को गति देने की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 121 गोभक्त कथावाचक अपने-अपने जिलों में गो सम्मान आह्वान अभियान के प्रचार-प्रसार एवं जनजागरण के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। इसके साथ ही अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने तथा गो संरक्षण एवं गो सेवा के संदेश को गांव-गांव और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। शिविर के माध्यम से गो-कथा को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज के विभिन्न वर्गों को गो सेवा एवं संरक्षण के अभियान से जोड़ने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गोभक्तों एवं कार्यकर्ताओं ने गो संरक्षण, गो सेवा और गो सम्मान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। अभियान का संदेश गोमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान-यही समाज का संकल्प, यही अभियान का आह्वान।

संक्षिप्त समाचार

अंकित हत्याकांड: वेस्ट यूपी, दिल्ली और विदेश से भी गोगी और लॉरेंस गैंग के सदस्यों के खातों में आई रकम; खुलासा

शामली में हुए गायक अंकित हत्याकांड में एक और नया खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि वेस्ट यूपी, दिल्ली और विदेश से भी गोगी और लॉरेंस गैंग के सदस्यों के खातों में रकम पहुंची थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन खातों में रकम किसने भेजी और आगे यह पैसा किन खातों में पहुंचाया गया। 26 अगस्त को बंटीखेड़ा गांव निवासी हरियाणवी गायक अंकित बालियान की शार्प शूटरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने 31 अगस्त को गोगी गैंग के 50-50 हजार रुपये के इनामी सोनीपत निवासी मोहित और सुमित को मुठभेड़ में मार गिराया था।हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड की पुलिस जांच में वेस्ट यूपी ही नहीं, दिल्ली, हरियाणा और विदेशों से भी गोगी, लॉरेंस और बाबा गैंग के सदस्यों के खातों में रुपया पहुंचने की जानकारी सामने आई है। पुलिस को गिरोह के सदस्यों से जुड़े 40 से अधिक ऐसे खातों का पता चला है, जिन्हें अलग-अलग स्थानों की पुलिस पहले ही फ्रीज करा चुकी है। अब पुलिस इन खातों के लेनदेन की कड़ियां जोड़कर साइबर ठगों से गिरोह के गठजोड़ की भी जांच कर रही है।पुलिस की जांच में असम, गुरुग्राम, पटना और देहरादून से गिरोह से जुड़े खातों में रकम पहुंचने की जानकारी मिली है। इसके अलावा यूरोप में बैठे शान नाम के व्यक्ति से जुड़े खाते की भी जांच की जा रही है। शान के खाते में ही 20 लाख से अधिक रुपयों का लेनदेन मिला है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन खातों में रकम किसने भेजी और आगे यह पैसा किन खातों में पहुंचाया गया।राहुल और सोनू के खातों की भी पड़ताल- एसपी एनपी सिंह के अनुसार जांच में गोगी गैंग के सोनीपत निवासी वांछित राहुल और सोनू के खाते में रकम आने की जानकारी मिली है। कनाडा और अमेरिका में बैठे चिराग और मोंटी के खातों की भी जांच कराई जा रही है। इन खातों में संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली है। पुलिस इन खातों में हुए लेनदेन का ब्योरा जुटा रही है। जिन स्थानों से रकम भेजी गई, वहां भी जांच आगे बढ़ाई जाएगी।म्यूल खातों का इस्तेमाल, ठगी की रकम की आशंका- जांच में गिरोह के सदस्यों द्वारा म्यूल खातों

का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन खातों से साइबर ठगी की रकम को इधर उधर किया गया।गुरुग्राम और सोनीपत में सबसे ज्यादा रकम-पुलिस की अब तक की जांच में सबसे अधिक रकम गुरुग्राम और सोनीपत से भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा गिरोह के सदस्य भी आपस में खातों की माध्यम से रकम भेजते रहे हैं। पुलिस अब इन सभी लेनदेन को जोड़कर यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह का आर्थिक नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें कौन-कौन जुड़े हैं।अंकित के नाम पर 50 से अधिक फर्जी आईडी- अंकित बालियान की हत्या के बाद अब उसके नाम का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर व्यूज और रुपये कमाने के लिए किया जा रहा है। पुलिस की जांच में पता चला है कि शामली के अलावा हरियाणा के लोगों ने अंकित के नाम पर 50 से अधिक फर्जी आईडी पर अकाउंट बना लिए है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कुछ लोगों ने अधिक से अधिक व्यू पाने के लिए अंकित के नाम का इस्तेमाल किया। इन आईडी पर रोजाना अंकित से संबंधित वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं। पुलिस इन फर्जी आईडी की पड़ताल कर रही है। पुलिस के अनुसार अंकित की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर उसके नाम से लगातार वीडियो और अन्य सामग्री प्रसारित हो रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि इन आईडी को कौन चला रहा है और इनसे होने वाली कमाई का क्या स्रोत है।फर्जी नाम से आईडी बनाने से बचें-पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी दूसरे व्यक्ति के नाम, फोटो और पहचान का इस्तेमाल कर फर्जी सोशल मीडिया आईडी न बनाएं। इससे आगे चलकर कानूनी कार्रवाई की स्थिति बन सकती है।20 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ- अंकित हत्याकांड में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार अब तक 20 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा चुकी है।

अलकायदा के आतंकी को एटीएस ने आजमगढ़ से किया गिरफ्तार, युवाओं को मुजाहिद बनाने के लिए कर रहा था काम

नबील पर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर, अन्य लोगों के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रचने का आरोप है। एटीएस ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद उसे आजमगढ़ से गिरफ्तार कर लिया।यूपी एटीएस ने शनिवार को आजमगढ़ से आतंकी संगठन अल कायदा इंडिया सब कांटीनेंट (एक्यूआईएस) के आतंकी मोहम्मद नबील को गिरफ्तार किया है। महमूरपुर के ग्राम चितारा का निवासी नबील पर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर, अन्य लोगों के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रचने का आरोप है। वह अलकायदा आतंकी अनवर उल अवलाकी की विचारधारा से प्रेरित होकर युवाओं को व्हाट्सएप ग्रुप पर अपने साथ जोड़कर मुजाहिद बनने व इसके लिए धन व अत्याधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण प्राप्त करने की योजना बना रहा था। उसके ग्रुप ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं के साथ विदेशी भी जुड़े हैं। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि एटीएस को खुफिया जानकारी मिली थी कि मोहम्मद नबील एक्यूआईएस की विचारधारा को प्रचारित व प्रसारित कर रहा है

और भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त है। इसके द्वारा सोशल मीडिया के इंक्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर ग्रुप बनाकर अन्य युवाओं को जोड़कर जिहाद के लिए तैयार करता है और इसके लिए धन इकट्ठा करने की योजना बना रहा है।एटीएस ने अपने थाने में नबील के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद उसे आजमगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। उसके मोबाइल फोन की जांच में उसके द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन एक्यूआईएस की विचारधारा को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित व प्रचारित करना व अरबी भाषा मे ला गालिब-इल्लल्लाह नामक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाना पाया गया।नबील द्वारा ग्रुप मे जुड़े सदस्यों को मुजाहिद कहके संबोधित किया जाता था और जिहाद, चाकू, केमिकल, प्लान आदि के लिए ट्रिप, पेन, जूस और प्रोजेक्ट जैसे कोड का इस्तेमाल किया जाता था। इस ग्रुप मे मोहम्मद नबील द्वारा अलकायदा के आतंकी अनवर उल अवलाकी द्वारा लिखी किताब, जिसका शीर्षक जेहाद करने के 44 तरीके हैं। शेयर कर सभी मुजाहिदीन से इसको पढ़ने की अपील की गयी है। साथ ही एक्येूआईएस के पूर्व प्रमुख व आतंकी मौलाना आसिम उमर की किताब %तीसरी जंग-ए-अज़ीम और दज्जाल भी शेयर की गयी है। व्हाट्सएप ग्रुप में बांग्लादेश, म्यांमार व सऊदी अरब के लोग जुड़े हैं फ्लेम्स ऑफ वॉर जैसे कई अन्य व्हाट्सएप ग्रुप्स मे भी जुड़ा है, जिसमें बांग्लादेश, म्यांमार व सऊदी अरब आदि के लोग भी जुड़े है। इन ग्रुप्स मे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल कायदा की विचारधारा को प्रसारित किया जा रहा है। वह पाकिस्तान, तुर्की, बांग्लादेश जाकर अपने मकसद को पूरा करने के लिए ट्रेनिंग करने एवं बम आदि बनाने की तैयारी कर रहा था। बम बनाने की विधि से संबन्धित वीडियो, पोटैशियम नाइट्रेट को प्राप्त करने संबंधी बातें भी करता था। अपने साथियों से वक्त आने पर पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत पर गजवा-ए-हिन्द करने की योजना भी बना रहा था। एटीएस उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर देने का अनुरोध करेगी।

थाना सिविल लाइन्स पुलिस को मिली बड़ी सफलता एसएसपी नें किया घटना का बड़ा खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बूदायूं में एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशानुसार एवं सहायक पुलिस अधीक्षक (क्षेत्राधिकारी नगर) के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन्स के नेतृत्व में थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 323/26 धारा 303(2), 324(4) बीएनएस बनाम अज्ञात की घटना कारित करने वाले प्रकाश में आये 02 अभियुक्तगण 1. आरिफ अंसारी पुत्र असगर अंसारी नि0 गली नं0 06 इस्लामाबाद निकट मिन्नी वाली मस्जिद थाना लिसाढीगेट जनपद मेरठ 2. वसीम अंसारी पुत्र निजामुद्दीन नि0 पुर्वा अब्दुल वाली निकट इमलीयान मस्जिद थाना कोतवाली जनपद मेरठ को गिरफ्तार किया गया । दौराने गिरफ्तारी अभियुक्तगण के कब्जे से अभियोग उपरोक्त से संबंधित चोरी किये गये 79 लाख रुपये नगद व लगभग 21 लाख रुपये के जेवरात (पीली धातु) बरामद किये गये । अभियुक्तगण के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गाड़ी हुण्डई वर्ना को कब्जा पुलिस में लिया गया ।

अभियुक्तगण से बरामदगी के आधार मु0अ0सं0 323/26 में धारा 317(2), 61(2) बीएनएस की वृद्धि की गयी है । गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण को रिमाण्ड हेतु मा0 न्यायालय

के समक्ष पेश किया जा रहा है । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा उपरोक्त घटना के सफल अनावरण/बरामदगी में सम्मिलित टीम को उत्साहवर्धन हेतु 25000/-रु0 के पुरुस्कार से पुरुस्कृत किया गया 500-500 रुपये के नोटों की कुल 100 गड्डी कुल धनराशि 5000000/- रू0 व एक मोबाइल फोन, गाड़ी वर्ना से- 500-500 रुपये के नोटों की 57 गड्डी तथा 100-100 रुपये के नोटों की 5 गड्डी कुल धनराशि 2900000/-रू0 तथा एक प्लास पूछताछ के दौरान आरिफ ने बताया कि हम दोनों आपस में रिश्तेदार हैं तथा हम लोगों पर कर्जा हो गया था । मैं शेख दिलावर हुसैन सर्राफ के यहाँ ड्राइवर का काम करता हूँ । दिनाँक 10.09.2026 को मैं शेख दिलावर हुसैन की गाड़ी लेकर उसके नौकर सरफराज के साथ बदायूँ में माल देने व लेने के लिये आये थे । तभी हम लोगों ने पहली से ही योजना बना ली थी कि जब भी बदायूँ माल ले कर जायेंगे तो हम लोग योजनाबद्ध तरीके से माल को गायब कर देंगें । जब मैं व सरफराज माल व रुपयों को ले-देकर बदायूँ से मेरठ जा रहे थे, तभी दास कॉलेज,बदायूँ के पास बिरयानी खाने का बहाना बनाकर बिना लाक किये गाड़ी खड़ी कर दी थी तथा सरफराज को दूर बिरयानी की दुकान पर ले गया व योजनाबद्ध तरीके से वसीम अंसारी अपनी वर्ना गाड़ी से बदायूँ आया था और गाड़ी में रखे सोनें के आभूषण व रुपयों को चोरी कर लिये गये । तथा किसी को हम पर भी शक न हो इसलिए गाड़ी के पीछे की ओर का शीशा तोड़ दिया । वसीम पैसे व माल लेकर बदायूँ में छिप गया था । आज हम दोनो मौका पाकर अपनी इसी वर्ना गाडी चोरी किये गये रुपये व जेवरात को लेकर मेरठ जा रहे थे कि पुलिस ने हमे मय माल के पकड लिया । साहब जो हम लोग से जेवरात व रूपये बरामद हुए है ।यह वही रूपये व जेवरात है जो हमने योजनाबद्ध तरीके से मालिक शेख दिलावर की गाडी से चोरी किये थे साहब गलती हो गयी है माफ कर दो ।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने की गहन समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ ग्रामों में एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ संयुक्त रूप से भ्रमण कर आवेदनों के निराकरण की अद्यतन स्थिति का जायजा लें- कलेक्टर मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत लटेरी तहसील के विभिन्न ग्रामों में आयोजित विशेष शिविरों में ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं के निराकरण की कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में नोडल अधिकारियों एवं विभागवार अधिकारियों के साथ गहन समीक्षा की। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित नोडल अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि खंड स्तरीय

अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर शिविरों में प्राप्त आवेदनों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। दिए कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जिन-जिन ग्रामों में शिविर आयोजित किए गए हैं, उन सभी ग्रामों में स्थानीय एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ संयुक्त रूप से भ्रमण करें। भ्रमण के दौरान शिविरों में प्राप्त आवेदनों की वर्तमान स्थिति, किए गए निराकरण तथा लंबित प्रकरणों की वस्तुस्थिति का मौके पर जायजा लिया जाए। अधिकारियों को भ्रमण के उपरांत पालन प्रतिवेदन जिला कार्यालय को अनिवार्य रूप से प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों से कहा कि वे शिविरों के दौरान प्राप्त आवेदनों के साथ-साथ ग्राम भ्रमण एवं स्थानीय स्तर पर किए गए संपर्क के आधार पर प्रत्येक प्रकरण की वास्तविक स्थिति का परीक्षण करें। यदि किसी आवेदन के निराकरण में किसी कारणवश कठिनाई है अथवा किसी प्रकरण में नकारात्मक जानकारी या निराकरण संभव नहीं होने की स्थिति सामने आती है, तो उसकी स्पष्ट एवं तथ्यात्मक जानकारी जिला मुख्यालय को साक्ष्य सहित उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत की जाने वाली जानकारी तथ्यपरक, अद्यतन एवं प्रमाणित होना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को केवल आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि संबंधित व्यक्ति की समस्या एवं अपेक्षा के रूप में देखा जाए। जिन प्रकरणों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई अपेक्षित है, उनमें संबंधित अधिकारी समय-सीमा में कार्यवाही पूर्ण करें। निर्धारित प्रपत्र में जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों से संबंधित जानकारी निर्धारित प्रपत्रों में पूर्ण एवं अद्यतन रूप से अंकित कर जमा कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों पर विभागीय अधिकारियों के स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है, उनका संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर फॉलोअप किया जाए तथा एसडीएम स्तर से भी आवश्यक मॉनिटरिंग एवं ट्रैकिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की प्रगति की निरंतर समीक्षा की जाए। बैठक में संबंधित अधिकारियों द्वारा विभागवार प्रगति एवं शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण से जुड़ी जानकारी कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की गई।

जनपद के समस्त थानो पर समाधान दिवस का आयोजन अधिकारियों ने सुनी फरियादियों की समस्याए

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार यादव/ श्रावस्ती जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया इस दौरान पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा थानो पर उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया तथा प्राप्त प्रार्थना पत्र के गुणवत्ता पूर्ण समय ड्डड्ड बघ निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए इसी क्रम में थाना मल्हीपुर थाना सोनवा पर अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेशसिंह द्वारा थाना समाधान दिवस में प्रतिभाग कर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतू संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया थाना समाधान दिवस के दौरान जनपद के अन्य स्थानों पर भी पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा फरियादियों की समस्याओं को सुनकर प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतू आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई थाना कोतवाली भिनगा मे राजस्व संबंधित 3 प्रार्थना पत्र थाना हरदत नगर गिरंट में राजस्व विभाग के पांच मामले थाना सिरसिया में कुल पांच मामले चार चार राजस्व विभाग व एक पुलिस विभाग से संबंधित थाना नवीन मॉडर्न श्रावस्ती राजस्व विभाग के तीन और पुलिस विभाग के एक थाना इकौना में एक प्रार्थना पत्र है राजस्व विभाग से संबंधित रहा थाना गिलौला में तीन प्रार्थना पत्र राजस्व विभाग थाना मल्हीपुर में तीन मामले दो राजस्व विभाग और एक पुलिस से संबंधित थाना सोनवा में तीन मामले दो पुलिस संबंधित व राजस्व विभाग जनपद के समस्त थानों पर कुल 27 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए प्राप्त समस्त प्रार्थना पत्रों को तत्काल संज्ञान लेते हुए उनके निस्तारण हेतू पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया

राष्ट्रीय लोक अदालत में 2.27 लाख वाद निपटे, 39.20 करोड़ के आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को 2,27,243 वादों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। कुल 39.20 करोड़ रुपये की धनराशि के आदेश पारित हुए। जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह-

द्वितीय ने लोक अदालत का शुभारंभ किया। नोडल अधिकारी उमा शंकर कहार ने बताया कि विभिन्न न्यायालयों एवं विभागों में लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण कराया गया। पारिवारिक न्यायालयों में 239 दंपतियों के बीच समझौता कराया गया। एमएसीटी न्यायालय में 296 वादों के निस्तारण से करीब 19.70 करोड़ रुपये की समझौता राशि के आदेश हुए। पुलिस विभाग ने 60,491 मामलों का निस्तारण किया, जबकि विभिन्न न्यायालयों एवं यातायात पुलिस द्वारा 1,25,126 ई-चालान निस्तारित किए गए। बैंक ऋण से जुड़े 1,715 मामलों में करीब 8.37 करोड़ रुपये की वसूली हुई। लोक अदालत में विधिक जागरूकता के लिए हेल्प डेस्क, प्रदर्शनी और नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवार की जोरदार टक्कर ने ले ली बच्ची की जान परिवरीजन का रो-रो कर बुरा हाल

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी/ बाइक सवार ने एक खाना खाती बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई पूरा मामला जनपद

बहराइच थाना क्षेत्र हरदी अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरी मोहन का है 8/09/202026 को बरसाती की लड़की जो अपने घर के सामने खाना खा रही थी समय लगभग 9ः55 का है चिरई पुरवा की तरफ से आ रही बाइक सवार ने बच्ची को टक्कर मार दिया जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई बाइक सवार बाइक छोड़कर फरार हो गया लड़की के माता पिता घायल अवस्था में लड़की को महसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया वहां पर प्राथमिक उपचार करके बच्ची को जिला अस्पताल बहराइच भेज दिया बच्ची की हालात गंभीर होने की वजह से बच्ची को लखनऊ ट्रामा सेंटर भेज दिया जहां पर ऑपरेशन के दौरान बच्ची की मौत हो गई जिससे पारिवारिक जनों में मातम छा गया

आगामी कजरी तीज पर्व के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न स्थानों का सुरक्षा व्यवस्थाओं का किया गया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी/ आगामी कजरी तीज पर्व के दृष्टिगत आज पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा सरयू घाट (भग्गड़वा बाजार) का निरीक्षण करने के उपरान्त

बाबा बागेश्वर नाथ शिवालय पयागपुर तक मार्ग का भ्रमण एवं निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं सम्बन्धित थाना प्रभारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा घाट एवं आसपास के क्षेत्र तथा सरयू घाट से बाबा बागेश्वर नाथ शिवालय पयागपुर तक मार्ग का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं/कांवड़ियों की संभावित भीड़ के दृष्टिगत की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी।

इस दौरान घाट पर बैरिकेडिंग, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था एवं डायवर्जन प्लान, पार्किंग व्यवस्था तथा मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके साथ ही भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखने, आवश्यकतानुसार ड्रोन कैमरे से निगरानी करने तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने हेतु सतर्क रहने के निर्देश दिये गये।

जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन, अधिकारियों ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार यादव/ जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा थानों पर उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा प्राप्त प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसी क्रम में थाना मल्हीपुर व थाना सोनवा पर अपर पुलिस अधीक्षक श्री चंद्रकेश सिंह द्वारा थाना समाधान दिवस में प्रतिभाग कर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। थाना समाधान दिवस के दौरान जनपद के अन्य थानों पर भी पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा फरियादियों की समस्याओं को सुनकर प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

Dependence on mobile and internet has made the brain "lazy," making normal brain function difficult.

Mobile phones have become an essential part of our lives, but excessive use can affect attention, concentration, sleep, and memory. Frequently checking the phone, instantly searching for every piece of information online, multitasking, and using the mobile phone at night are all habits that impact the brain. From the moment we wake up in the morning until the first few minutes before bed, we're glued to our mobile phones. Checking social media, replying to messages, watching videos while eating, and checking screen notifications every now and then, even during work, have all become common habits. Technology has made our lives much easier, but do you know how much it's costing us? Medical reports show that our increasing dependence on mobile phones has not only made the brain lazy but has also reduced its efficiency. For example, the increasing addiction to mobile phones and their reliance on them for every task has weakened the normal functioning of our brains. Researchers are calling mobile phones the enemy of the brain. Scientists explain that the impact of technology depends heavily on how we use them. Constant notifications, the habit of multitasking, relying on the internet for every little information, and using the mobile phone just before bed are habits that can impact attention, sleep, and mental concentration. In a meta-analysis, health experts examined 22 studies to understand the effects of mobile phones. The presence or use of mobile phones negatively impacts memory, attention, and general cognitive performance. Health experts say that relying on the internet for every little thing is weakening our ability to remember things. Previously, we used to read books, talk to people, and engage in mental exercises to get answers. Now, the internet provides instant solutions, saving the brain from having to work hard. Therefore, the brain's efficiency and quality of memory are diminishing. Mobile phones have made accessing information incredibly easy, but they are also changing the way we remember. To strengthen memory, it's essential to carefully absorb, understand, and recall information. If the answer is found on the phone before the brain can even try to recall it, the ability to remember that information on its own may diminish. Repeated screenshots weaken memory. Usually, the first thing we do when we see important information, a beautiful moment, or a relevant WhatsApp message on our mobile is to take a screenshot. This screenshot-taking habit only helps us forget the information, rather than helping us remember the message. A new study from Binghamton University in the US has raised serious questions about this habit that is growing among the general public. The research paper, titled "Digital Amnesia: The Aftermath of a Screenshot," describes its adverse effects. The study conducted seven different experiments in which participants were shown artwork on digital devices. Some just looked at it, some took photos, and some took screenshots. Those who just looked at it remembered the most later. Those who took photos experienced weaker memories, while those who took screenshots were most affected. Health experts say that while the sample size is quite small, the effects of the screenshotting habit on the brain deserve serious attention. Technology has certainly given us many conveniences, but we are also suffering significant consequences, knowingly or unknowingly. Screen time is affecting the brain. Using mobile phones until just before bed isn't just a habit of staring at a screen. Staying engaged in videos, social media, or messaging late into the night is pushing back bedtime and affecting sleep duration. Lack of sleep can impact the ability to concentrate, learn, and process information the next day. Similarly, filling every free moment with mobile phones reduces the brain's opportunity to think for itself. Standing in the lift, waiting for the bus, even while eating food, using the mobile phone never gives rest to the mind. Gradually, it becomes difficult to spend even a few minutes without the screen. Its effect on the development of children: In a recent report published in Amar Ujala regarding the ill effects of mobile phones, we had told that giving mobile phones to small children is like playing with their lives, but before that, all parents also need to improve this habit of theirs. Researchers have alerted that if parents often use the phone or work on the laptop in front of small children, then it can affect their children's ability to learn language and speak. Not only the screen in the child's hand, but even the screen which is always in the hands of the parents can be harmful.

Swine flu can also attack the lungs and heart. Know when it's a warning sign.

H1N1, or swine flu, is a respiratory infection that is mild in most cases, but can become severe in some. The infection primarily affects the lungs, and in severe cases, can lead to pneumonia, respiratory problems, and heart-lung complications. The capital, Delhi-NCR, is currently experiencing a severe outbreak of H1N1 swine flu. Health experts are concerned about the rate at which the infection is spreading. This year, the number of infections has already increased by nearly six times compared to last year. Furthermore, the steadily increasing number of cases is causing hospitals to become overwhelmed. Data shows that more than 1,777 cases of swine flu have been reported in Delhi so far this year. On August 20th, approximately 114 new cases were detected in a single day. As of August 6th, Delhi had 1,344 cases of H1N1. That's 433 new cases in just 14 days. According to AIIMS experts, influenza cases have been on the rise in the past due to temperature fluctuations and humidity during the monsoon season. The elderly and those with pre-existing conditions, including lung, heart, and diabetes, are at higher risk of developing severe infections. Children and pregnant women are also being advised to exercise caution. The question now is: is swine flu truly fatal? Can it affect multiple organs like COVID-19? There's no need to panic about swine flu like COVID-19. On Friday, Union Health Minister J.P. Nadda and senior Health Ministry officials, along with Delhi Health Minister Pankaj Kumar Singh and Health Department officials, met to review the swine flu situation and provided necessary instructions. Infectious disease specialist Dr. Neha Rastogi Panda says, "There's an increase in patients with influenza and flu-like symptoms. Many patients are experiencing a prolonged cough and high fever." Speaking to Amar Ujala, Intensive Care doctor Utkarsh Sinha said, "Swine flu isn't a new virus like coronavirus; it's been spreading before. It's a subtype of the influenza virus, and seasonal influenza cases have also been on the rise during the monsoon season. While healthy people usually recover quickly, the flu can become more severe in the elderly, pregnant women, young children, and those with pre-existing medical conditions. However, based on statistics and information circulating on social media, there's no need to panic like coronavirus. A little caution can easily avert this danger. We also have vaccines to protect against the influenza virus, so there's no need to worry about it taking a dangerous form. However, caution is the most important advice these days." According to medical reports, in severe cases, H1N1 infection can exacerbate lung and heart health in those with weakened immunity, the elderly, or those with pre-existing medical conditions. Some deaths have been reported, raising concerns. While H1N1 is considered a mild infection, severe cases can lead to death. A 62-year-old woman died in Ujjain, Madhya Pradesh, on August 19th during this outbreak. Following the death, a show-cause notice was issued to a private hospital in Indore, and a high-level investigation was ordered. The woman had tested positive for swine flu and was undergoing treatment at the private hospital. Despite doctors' advice, she was discharged from the hospital on August 18th and returned to her home in Ujjain, where she died the following day, August 19th. Earlier, on July 27th, another woman died of swine flu in Ajanur Manikoth, Kerala. The 56-year-old woman was undergoing treatment for fever and other health issues at a private hospital. When her condition worsened, she was shifted to a specialty hospital in Mangaluru, but she died. Lung-Related Problems in Infected People Dr. Utkarsh says, H1N1 is a respiratory infection. The virus can spread to another person through contact with droplets released by an infected person's coughing, sneezing, or talking. Once in the body, it primarily infects cells in the nose, throat, and respiratory tract. This is why the initial symptoms are mostly related to the respiratory tract. H1N1 can have the greatest impact on your lungs. In normal flu, the infection may be limited to the upper respiratory tract, but in severe cases, the virus can reach the lower respiratory tract. This can lead to inflammation and infection in the lungs, leading to pneumonia. Inflammation and pneumonia in the lungs can cause the body to lack adequate oxygen, which can lead to complications. This is why symptoms of shortness of breath, difficulty breathing, chest pain or pressure, rapid breathing, and bluish lips or face are considered emergencies. The infection can also affect the heart. The effects of swine flu are not limited to the lungs. Severe infections can also cause heart complications in some people.

"Packing life into three suitcases..." Why did Apoorva move to New York? She shared her dream.

Social media influencer Apoorva Mukhija is known as the "Rebel Kid." Last year, she was embroiled in controversy on Samay Raina's show "India's Got Latent." Now, this influencer has left the country and is living in New York. Find out the reason behind this move. Apoorva Mukhija shared some photos on Instagram on Friday night, showing her in New York. She looks very happy in these photos. Along with sharing the photos, Apoorva also wrote a caption, explaining the reason for her move to New York and sharing her dream with fans. This is why Apoorva moved to New York. Apoorva captioned her post, "I applied to a college and promised myself that if I got in, I would definitely go." Now I feel like I live in New York." She is seen in photos with three luggage bags and in one, standing on a college campus in New York. She has come to New York to pursue further studies. Apoorva has also written some captions along with her photos. In one, she writes, "It's pretty cool to pack your entire life into three suitcases." - Further, in another caption, she writes, "It's pretty cool to call New York home." Why does Apoorva like New York City? - Recently, in the "Untriggered by Aminjazz" podcast, Apoorva said, "I've traveled a lot. When I arrived in New York, I felt I really wanted to live here. There's something special about this city. Life here is so fast-paced. Everyone dresses so well, the food is amazing. I love the architecture. I've seen New York in every web series I love, so I've always wanted to live here." I applied to just one college in New York and I got admission.

Why did Mallika take a dig at contestant Shalini Passi on the show "The Traitors 2"? She shared a befitting reply by sharing a video.

Recently, on the reality show "The Traitors Season 2," Shalini Passi called Mallika Sherawat's green dress fake. Mallika has now given a befitting reply via social media. Mallika Sherawat has always been known in Bollywood for her outspoken statements. This same attitude was recently seen on the show "The Traitors 2." On the same show, contestant Shalini Passi called Mallika's dress fake. Mallika has now taken a dig at Shalini. Was Shalini Passi jealous of Mallika? Sharing a video on her Instagram, Mallika says, "I didn't realize my dress would become such a big topic of discussion. If anyone is even slightly jealous of my dress, my figure, or my glamour, I understand." Enjoy.' Mallika also wrote in the caption of the video, 'The dress is mine, the discussion is left.' Why did Shalini call Mallika's dress fake? - Recently, a viral clip from the show 'The Traitors 2' surfaced. In it, when Mallika said that she was wearing a dress from the famous brand Dolce, Shalini went to another contestant and told the truth. She said, 'I went to fix her mic and saw the brand. She is lying. I have been wearing such dresses since I was 17-18 years old. My dresses are custom-made. I can send you pictures. I have also worn dresses from many famous brands. This one is not like that.' Who got eliminated from the show? - Recently, Munawar Faruqui, Karan Singh Magic and Aditya Kulshrestha were eliminated from the show 'The Traitors 2'. While currently many celebs including Abhishek Malhan, Ansh Chopra, Ikka Singh, Crystal D'Souza, Mallika Sherawat, Rhea Chakraborty are left in the show.

Why did Chinmayi Sripada praise Chief Minister Vijay? She wrote this about 'Jana Nayakan'; the issue is related to sexual abuse.

Singer Chinmayi Sripada has praised Chief Minister Vijay and his film. She also praised the film's director. Let's find out what the whole matter is. Chinmayi Sripada has praised Tamil Nadu Chief Minister Vijay and his last film, 'Jana Nayakan,' which tackles the sensitive issue of child sexual abuse. The film was also a box office success. Chinmayi Sripada mentioned the child sexual abuse scene in the film as one that deeply affected her. What did Chinmayi say about Vijay? The singer is a frequent advocate for child safety. She said she was pleased that Thalapathy Vijay used his platform to speak out on this issue. She also thanked director H. Vinoth for including the scene. 'Jana Nayakan' has now become the highest-grossing Tamil film of 2026. Chinmayi Sripada praises the team - On X, Chinmayi Sripada talked about the aspect of 'Jana Nayakan' that meant the most to her. She wrote, "I want to talk about the one thing that was most important to me and the cause I stand for: protection of children from sexual abuse and immediate action. I still want that because what else do we have except hope?" May those who abuse be put to an end - She further wrote, "It was very important and crucial for a big star like Vijay and the Honorable Chief Minister of Tamil Nadu to talk about child sexual abuse in the film. A big thank you to director H. Vinoth and the Honorable Chief Minister for that scene. I hope and pray that all children are protected from abuse." Let there be an end to those who exploit.'Jana Nayakan, a box office success, directed by H Vinoth, released in theatres on July 23, after being delayed due to the lengthy censorship process. The film received mixed to negative reviews from critics and some sections of the audience. The film grossed over ?300 crore worldwide and is said to be one of the highest-grossing Indian films of 2026. It is now streaming on ZEE5, giving viewers who missed the film in theatres a chance to see Vijay in action. 'Jana Nayakan' is inspired by the Telugu film 'Bhagwantha Kesari'.